MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE :- 10 OCTOBER, 2025

MCU NEWS

लोकतांत्रिक मर्यादा व न्याय का प्रतीक है स्पीकर का पद : तोमर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि स्पीकर होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। तोमर गुरुवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है। उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं। हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए। विधानसभाएँ कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल हुए प्रभारी

पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में गुरुवार को युवा संसद प्रभारियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विद्यालयों तथा भोपाल के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 70 युवा संसद प्रभारी शामिल हुए। इस मौके पर केन्द्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शरद द्विवेदी ने बताया कि संसदीय प्रणाली की गरिमा को बनाये रखने के लिये युवाओं को जागरूक करने के साथ-साथ इसके बारे में जानकारी दी जाना चाहिए। संसदीय सलाहकार मध्यप्रदेश शासन देवेन्द्र वर्मा ने बताया कि संसदीय प्रणाली की जानकारी प्रत्येक नागरिक को होना चाहिए। उन्होंने बताया कि संसदीय कार्य विभाग विधानसभा एवं राज्य शासन के मध्य समन्वय की भूमिका निभाता है। सेवानिवृत्त अपर सचिव मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय पुनीत श्रीवास्तव ने विधानसभा की कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा संसद में क्लिपिंग के माध्यम से प्रणाली के मुख्य बिंदुओं को उदाहरण सहित बताया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK JAGRAN 10-10-2025

एमसीयू में विस अध्यक्ष बोले- मर्यादा और न्याय का प्रतीक है अध्यक्ष पद

भोपाल | माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बुधवार को आयोजित मास्टर क्लास में मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए। उन्होंने अध्यक्ष की आसंदी विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र वैदिक काल से ही मौजूद है। लोकसभा हो या विधानसभाएं, अध्यक्ष की भूमिका लोकतंत्र में महत्वपूर्ण हैं। अध्यक्ष किसी शक्ति का नहीं, बल्कि मर्यादा, संतुलन, समन्वय और न्याय का प्रतीक होता है। पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के पूरक हैं। वे इस क्लास में अध्यक्ष की आसंदी विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग करने पर भी विचार किया जा रहा है। विधानसभा पुस्तकालय के अभिलेखों को डिजिटलाइज शुरू हो चुका है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK BHASKAR 10-10-2025

माखनलाल चतुर्वेदी विवि में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा-

अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है। श्री तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विवि द्वारा आयोजित मास्टर क्लास में कही। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की। श्री तोमर ने कहा कि अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो।

उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र में स्वतंत्रता की सांसे ले रहे हैं तो पूर्वजों के उन बलिदानों को कभी न भूलें, जिनकी वजह से यह देश आजाद हुआ। यह आजादी किसी ने तश्तरी में रखकर नहीं दी। इसे बचाना भी जरूरी है और मजबूत करना भी। श्री तोमर ने कहा कि विधानसभाएं कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण काम बजट का होता है, जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएं जमीन तक जाती हैं।

राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है। हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए। तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा। उन्होंने समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया। इस मौके पर श्री तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय में सौ साल के सौ फ्रंट पेजों की प्रदर्शनी बेजोड़ है। देश में घटी सौ साल की सौ महत्वपूर्ण घटनाओं के ये कवरेज भारत के इतिहास के कई अनजाने पन्ने खोलते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषयं विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है। यह पूरे सत्र में जारी रहेगी। संचालन डॉ. संजय द्विवेदी ने किया। आभार डॉ. पी. शशिकला ने माना।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DESHBANDHU 10-10-2025

स्वदेश ज्योति

एमसीयू में आयोजित मास्टर क्लास में विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर

हमारे देश में लोकतंत्र वैदिक काल से ही मौजूद

अध्यक्ष की आसंदी मर्यादा, संतुलन और न्याय का प्रतीक: तोमर

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

वैदिक काल से ही हमारे देश में लोकतंत्र मौजूद है। यह हमारी आत्मा में रचा-बसा है। यही कारण है कि हमारी हस्ती मिटाई नहीं जा सकती है। लोकसभा हो या विधानसभाएं अध्यक्ष की भूमिका लोकतंत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। वह अपने शब्दों तर्कों और व्यवहार से सभा के सदस्यों को संतुष्ट करता है। वह किसी शक्ति का नहीं बल्कि मर्यादा, संतुलन, समन्वय और न्याय का प्रतीक है। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र में आसंदी सभी के प्रति उत्तरदायी है। विधानसभाएं भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती हैं। उक्त बातें मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एमसीयू में आयोजित मास्टर क्लास में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों से कहीं। वे विश्वविद्यालय में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में "अध्यक्ष की आसंदी" विषय पर बोल रहे थे। श्री तोमर ने आरंभ में माखनलाल चतुर्वेदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि कहा कि हम आज किसी भी क्षेत्र में काम करें लोकतंत्र की बुनियाद और उसके पीछे हमारे महान पुरखों के बलिदान हमारे जहन में हमेशा रहने चाहिए। आजादी के आंदोलन और उसमें बलिदान देने वाले नायकों के संघर्षों के कारण ही आज हम स्वाधीन समाज में सांस ले पा रहे हैं। हर नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र के मूल्यों और इसके लिए त्याग करने वाले बलिदानियों को याद रखें। नागरिक जहां जागरूक होगें राजनैतिक व्यवस्था उतनी ही बेहतर होगी। हमें इस स्वतंत्रता को अक्षुण्य रखना है। विधानसभायें विकास पर चर्चाएं करती हैं जिसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिलता है। विधानसभा में विधायक की भूमिका जरूरी है। लेकिन इसका प्रभाव तभी अच्छा होगा जब विधायक नियम, प्रक्रियाओं और विषयों को अच्छे से समझेंगे और सदन में उठायेंगे।

विस के नवाचारों पर की चर्चा

अपने उद्बोधन में तोमर ने मध्य प्रदेश की विधानसभा में अपनाए जा रहे नवाचारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सदन में महिला विधायकों के लिए सवाल पूछने और उन्हें अधिक समय मिलने के उद्देश्य से एक विशेष दिन उनके सवालों के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने विधानसभा पुस्तकालय के अभिलेखों को डिजिटलाइज करने और जल्द ही उसे ऑनलाइन करने के प्रयासों की भी चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लोकतंत्र की परंपराएं सभी के सहयोग से ही बनी रहेंगी। हमारा हर कदम शब्द और आचरण स्वाधीनता सेनानियों के सपनों के अनुरूप हो। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग करने पर भी विचार किया जा रहा है। विद्यार्थियों और भावी पत्रकार बनने वाले युवाओं के लिए अध्ययन बहुत ही आवश्यक है। कार्यक्रम के आरंभ में विद्यार्थियों के लिए विशेष तौर पर आयोजित होने वाली मास्टर क्लास के उद्देश्यों पर अपनी बात रखते हुए कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है कि पत्रकारिता के से इतर विविध विषयों के विशेषज्ञों को विद्यार्थियों से रूबरू करवाकर समाज के कई जरूरी विषयों की जानकारी उन्हें दी जाए। उन्होंने कहा कि राजनैतिक रिपोर्टिंग कैसे की जाए विधानसभा में कैसे कामकाज होता है और अध्यक्ष की भूमिका क्या होती है इन सब विषयों से विद्यार्थियों का परिचय करवाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष की मास्टर क्लास आयोजित की गई है। इस अवसर पर कुलगुरू ने विद्यार्थियों से कहा कि स्थाई सफलता के लिए अनेक गुणों का समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर मीडिया प्रबंधन के विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित प्रायोगिक समाचार पत्रों का विमोचन भी विधानसभा अध्यक्ष तथा कुलगुरु द्वारा किया गया। कार्यकम का संचालन जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि तथा उपस्थित गणमान्य नागरिकों का आभार विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर पी शशिकला ने किया। इस अवसर पर समस्त विभागों के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
SWADESJ JYOTI 10-10-2025

हमारे देश में वैदिक काल से ही मौजूद रहा है लोकतंत्रः विस अध्यक्ष तोमर

एमसीयू में विस अध्यक्ष का छात्रों के बीच उद्‌बोधन

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

वैदिक काल से ही हमारे देश में लोकतंत्र मौजूद है। यह हमारी आत्मा में रचा-बसा है। यही कारण है कि हमारी हस्ती मिटाई नहीं जा सकती है। लोकसभा हो या विधानसभाएं अध्यक्ष की भूमिका लोकतंत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। वह किसी शक्ति का नहीं बल्कि मर्यादा, संतुलन, समन्वय और न्याय का प्रतीक है। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक हैं।

लोकतंत्र में आसंदी सभी के प्रति उत्तरदायी है। विधानसभाएं भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती हैं। उक्त बातें मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरूवार को राजधानी के एमसीयू में आयोजित मास्टर क्लास में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों से कहीं।

वे विश्वविद्यालय में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अध्यक्ष की आसंदी विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन और उसमें बलिदान देने वाले नायकों के संघर्षों के कारण ही आज हम स्वाधीन समाज में सांस ले पा रहे हैं। हर नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र के मूल्यों और इसके लिए त्याग करने वाले बलिदानियों को याद रखें। तोमर ने मध्य प्रदेश की विधानसभा में अपनाए जा रहे नवाचारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सदन में महिला विधायकों के लिए सवाल पूछने और उन्हें अधिक समय मिलने के उद्देश्य से एक विशेष दिन उनके सवालों के लिए निर्धारित किया गया है।

उन्होंने विधानसभा पुस्तकालय के अभिलेखों को डिजिटलाइज करने और जल्द ही उसे ऑनलाइन करने के प्रयासों की भी चर्चा की। आरंभ में कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का महत्वपूर्ण उद्‌देश्य है कि पत्रकारिता के से इतर विविध विषयों के विशेषज्ञों को विद्यार्थियों से रूबरू करवाकर समाज के कई जरूरी विषयों की जानकारी उन्हें दी जाए। इस अवसर पर मीडिया प्रबंधन के विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित प्रायोगिक समाचार पत्रों का विमोचन भी विधानसभा अध्यक्ष तथा कुलगुरु द्वारा किया गया। कार्यकम का संचालन जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो संजय द्विवेदी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. पी शशिकला ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
RAJ EXPRESS 10-10-2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
दिनांक- 10/10/2025 पृष्ठ क्रमांक- 8 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दा

हमारे देश में लोकतंत्र वैदिक काल से ही मौजूद : तोमर

भोपाल। वैदिक काल से ही हमारे देश में लोकतंत्र मौजूद है। यह हमारी आत्मा में रचा-बसा है। यही कारण है कि हमारी हस्ती मिटाई नहीं जा सकती है। लोकसभा हो या विधानसभाएं अध्यक्ष की भूमिका लोकतंत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। वह अपने शब्दों तर्कों और व्यवहार से सभा के सदस्यों को संतुष्ट करता है। वह किसी शक्ति का नहीं बल्कि मर्यादा, संतुलन, समन्वय और न्याय का प्रतीक है। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र में आसंदी सभी के प्रति उत्तरदायी है। विधानसभाएं भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती हैं।

उक्त बातें मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने एमसीयू में गुरूवार को आयोजित मास्टर क्लास में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों से कहीं। वे विश्वविद्यालय में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अध्यक्ष की आसंदी विषय पर बोल रहे थे।

तोमर ने आरंभ में माखनलाल चतुर्वेदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि कहा कि हम आज किसी भी क्षेत्र में काम करें लोकतंत्र की बुनियाद और उसके पीछे हमारे महान पुरखों के बलिदान हमारे जहन में हमेशा रहने चाहिए। आजादी के आंदोलन और उसमें बलिदान देने वाले नायकों के संघर्षों के कारण ही आज हम स्वाधीन समाज में सांस ले पा रहे हैं। हर नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र के मूल्यों और इसके लिए त्याग करने वाले बलिदानियों को याद रखें।

नागरिक जहां जागरूक होगें राजनैतिक व्यवस्था उतनी ही बेहतर होगी। हमें इस स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखना है। विधानसभायें विकास पर चर्चाएं करती हैं जिसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिलता है।

विधानसभा में विधायक की भूमिका जरूरी है। लेकिन इसका प्रभाव तभी अच्छा होगा जब विधायक नियम, प्रक्रियाओं और विषयों को अच्छे से समझेंगे और सदन में उठायेंगे।

उन्होंने मध्य प्रदेश की विधानसभा में अपनाए जा रहे नवाचारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सदन में महिला विधायकों के लिए सवाल पूछने और उन्हें अधिक समय मिलने के उद्देश्य से एक विशेष दिन उनके सवालों के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने विधानसभा पुस्तकालय के अभिलेखों को डिजिटलाइज करने और जल्द ही उसे ऑनलाइन करने के प्रयासों की भी चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लोकतंत्र की परंपराएं सभी के सहयोग से ही बनी रहेंगी।

हमारा हर कदम शब्द और आचरण स्वाधीनता सेनानियों के सपनों के अनुरूप हो। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग करने पर भी विचार किया जा रहा है। विद्यार्थियों और भावी पत्रकार बनने वाले युवाओं के लिए अध्ययन बहुत ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के आरंभ में विद्यार्थियों के लिए विशेष तौर पर आयोजित होने वाली मास्टर क्लास के उद्देश्यों पर अपनी बात रखते हुए कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है कि पत्रकारिता के से इतर विविध विषयों के विशेषज्ञों को विद्यार्थियों से रूबरू करवाकर समाज के कई जरूरी विषयों की जानकारी उन्हें दी जाए। उन्होंने कहा कि राजनैतिक रिपोर्टिंग कैसे की जाए विधानसभा में कैसे कामकाज होता है और अध्यक्ष की भूमिका क्या होती है इन सब विषयों से विद्यार्थियों का परिचय करवाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष की मास्टर क्लास आयोजित की गई है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY

एमसीयू में विधानसभा अध्यक्ष की मास्टर क्लास,

वर्तमान में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया : तोमर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. वर्तमान में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है। हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए, तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि की मास्टर क्लास में कही।

विस अध्यक्ष तोमर ने छात्रों को विधानसभा की कार्यप्रणाली को बताया। कहा, विधानसभा कानून ही नहीं बनाती बल्कि जनता की आवाज भी होती है। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्त्वपूर्ण है। सबसे जरूरी काम बजट का होता है, जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएं जमीन तक जाती हैं। उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बताते हुए समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा, विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला पूरे सत्र में जारी रहेगी।

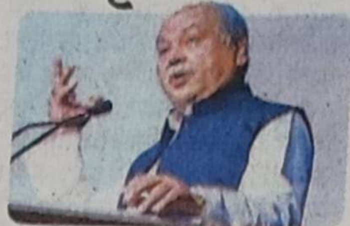

विस अध्यक्ष शक्ति नहीं न्याय का प्रतीक

तोमर ने कहा, विधानसभा में अध्यक्ष होना शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है। उन्होंने कहा, अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
PATRIKA 10-10-2025

पत्रकारिता विवि की मास्टर क्लास में बोले तोमर

‘अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को किया विकृत’

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल

editor@peoplessamachar.co.in

‘विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। अध्यक्ष की आसंदी सभी दलों के प्रति उत्तरदायी होती है। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता जो किसी न किसी दल से होता है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है। वहीं राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है।’

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि की मास्टर क्लास में कही। उन्होंने कहा हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए। तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है। यह पूरे सत्र में जारी रहेगी।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
PEOPLES SAMACHAR 10-10-2025

'विस अध्यक्ष का पद लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है'

आयोजन ● एमसीयू में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने मास्टर क्लास में विद्यार्थियों से कहा

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः वैदिक काल से हमारे देश में लोकतंत्र की नींव रखी गई है। लोकसभा और विधानसभाओं में अध्यक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे अपने शब्दों, तर्कों और व्यवहार से सदस्यों को संतुष्ट करते हैं। अध्यक्ष किसी शक्ति का नहीं, बल्कि मर्यादा, संतुलन, समन्वय और न्याय का प्रतीक होते हैं। पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के पूरक हैं, और लोकतंत्र में आसंदी सभी के प्रति उत्तरदायी होती है। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यह बातें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित मास्टर क्लास में कहीं।

तोमर ने विद्यार्थियों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों के बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिनकी वजह से हम आजाद हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार होते हैं, और हमारी निष्ठा इन संस्थाओं के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि विधानसभाएं केवल कानून नहीं बनातीं, बल्कि आम जनता की आवाज भी होती हैं।

बजट का कार्य सबसे महत्वपूर्ण होता है, जिससे विकास की योजनाएं आगे बढ़ती हैं। अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण में महत्वपूर्ण होती है, और उन्हें सभी को चर्चा का अवसर देना चाहिए। उन्होंने राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि हमें अध्ययन को बढ़ावा देना चाहिए। अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष तोमर ने विद्यार्थियों को विधानसभा भ्रमण के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने मास्टर क्लास की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जिम्मेदारी केवल राजनेताओं की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित मास्टर क्लास में बैठे विद्यार्थीगण। ● सौजन्यः आयोजक

संबोधन देते विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर व उपस्थित अतिथि। ● सौः आयोजक

सौ साल पुराने अखबार के पेज का प्रदर्शन सराहनीय

तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय में सौ साल के अखबार के सौ पहले पेजों की प्रदर्शनी बेजोड़ है। देश में घटी सौ साल की सौ महत्वपूर्ण घटनाओं के ये कवरेज भारत के इतिहास के अनजाने पन्ने खोलते हैं। यह एक अद्भुत पहल है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
NAVADUNIA 10-10-2025

भोपाल लाइव

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
NAVABHARAT 10-10-2025

नवभारत

विधानसभा अध्यक्ष के लिए सहनशीलता जरूरी

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में विधानसभा स्पीकर तोमर की मास्टर क्लास

> अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो. राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है. हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए. तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा. उन्होंने समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया.

भोपाल, 9 अक्टूबर. विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है. इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है. अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है, किसी एक दल के प्रति नहीं. जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है. इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है.

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में कही. उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की. उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र में स्वतंत्रता की साँसें ले रहे हैं तो पूर्वजों के उन बलिदानों को कभी न भूलें, जिनकी वजह से यह देश आजाद हुआ. यह आजादी किसी ने तश्तरी में रखकर नहीं दी. इसे बचाना भी जरूरी है और मजबूत करना भी. किंतु हमारे देश में लोकतंत्र की परंपरा प्राचीनकाल से है. यह भारत के स्वभाव में है. उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं. हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए. विधानसभाएँ कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं. उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है. सबसे महत्वपूर्ण काम बजट का होता है, जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएँ जमीन तक जाती हैं. कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है. यह पूरे सत्र में जारी रहेगी. संचालन डॉ. संजय द्विवेदी ने किया.

एमसीयू में विधानसभा स्पीकर की मास्टर क्लास

विधानसभा अध्यक्ष का पद लोकतांत्रिक मयार्दा और न्याय का प्रतीक : तोमर

■ भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है।

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में कही। उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र में स्वतंत्रता की साँसें ले रहे हैं तो पूर्वजों के उन बलिदानों को कभी न भूलें, जिनकी वजह से यह देश आजाद हुआ। यह आजादी किसी ने तश्तरी में रखकर नहीं दी। इसे बचाना भी जरूरी है और मजबूत करना भी। किंतु हमारे देश में लोकतंत्र की परंपरा प्राचीनकाल से है। यह भारत के स्वभाव में है। उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मयार्दा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं। हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए। विधानसभाएँ कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण काम बजट का होता है।

जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएँ जमीन तक जाती हैं। अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो। राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है। हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए। तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा।

उन्होंने समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है। यह पूरे सत्र में जारी रहेगी। संचालन डॉ. संजय द्विवेदी ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
LOKDESH 10-10-2025

एमसीयू में विधानसभा स्पीकर की मास्टर क्लास

विधानसभा अध्यक्ष का पद लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीकः तोमर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है। मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में कही। उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र की परंपरा प्राचीनकाल से है। यह भारत के स्वभाव में है। उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं। हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए। विधानसभाएं कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
HARIBHOOMI 10-10-2025

स्वदेश
NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
भोपाल - संस्करण
10 Oct 2025
10 अक्टूबर 2025

एमसीयू में विधानसभा अध्यक्ष की मास्टर क्लास

घटते अध्ययन ने राजनीति को कर दिया है विकृत

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है।

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में कही। उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र में स्वतंत्रता की साँसें ले रहे हैं तो पूर्वजों के उन बलिदानों को कभी न भूलें, जिनकी वजह से यह देश आजाद हुआ। यह आजादी किसी ने तश्तरी में रखकर नहीं दी। इसे बचाना भी जरूरी है और मजबूत करना भी। किंतु हमारे देश में लोकतंत्र की परंपरा प्राचीनकाल से है। यह भारत के स्वभाव में है। उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं। हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए। विधानसभाएँ कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण काम बजट का होता है, जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएँ जमीन तक जाती हैं। अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो। राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है। हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए। तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा। उन्होंने समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है। यह पूरे सत्र में जारी रहेगी। संचालन डॉ. संजय द्विवेदी ने किया। आभार डॉ. पी. शशिकला ने माना।

विश्वविद्यालय में सौ साल के सौ फ्रंट पेजों की प्रदर्शनी बेजोड़ है। देश में घटी सौ साल की सौ महत्वपूर्ण घटनाओं के ये कवरेज भारत के इतिहास के कई अनजाने पन्ने खोलते हैं। यह एक अद्भुत पहल है।

-नरेंद्रसिंह तोमर, विधानसभा अध्यक्ष